Hindi Murli Quiz 05-02-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **आज के वरदान के अनुसार वर्तमान समय विश्व की आत्मायें विभिन्न परिस्थितियां जैसे महंगाई, भूख, तन के रोग, मन की अशान्ति आदि से चिल्ला रही हैं । सबकी नजर टॉवर ऑफ पीस की तरफ जा रही है । तो अब अपने साकारी फरिश्ते रूप द्वारा विश्व के दुख दूर करो और भक्तों को ----------का प्रसाद बाटो ।**
(सभी उत्तर कुछ न कुछ ठीक हो सकते हैं परन्तु आज की मुरली के अनुसार एक ही सही विकल्प का चयन करें)

A. ,स्नेह और शक्ति
B. गति और सद्गति
C. सुख और शान्ति
D. प्रेम और आनन्द

Q.2) **"आप हिम्मत का एक -------बढ़ाओ तो बाप मदद के हजार ----------बढ़ायेंगे ।"**
(सभी उत्तर कुछ न कुछ ठीक हो सकते हैं परन्तु आज की मुरली के अनुसार एक ही सही विकल्प का चयन करें)

A. ऊँगली
B. साधन
C. हाथ
D. कदम

Q.3) **अच्छे- अच्छे गीत हैं उन्हे सुनो तो तुम्हारे रोमाच खडे हो जायेगे । खुशी का पारा एकदम चढ़ जायेगा । फिर वह नशा स्थाई भी रहना चाहिए । वह शराब पीते है तो नशा चढ़ जाता है । यहाँ यह तो है ज्ञान अमृत । तुम्हारा नशा उतरना नही चाहिए, सदैव चढ़ा रहना चाहिए । तुम इन लक्ष्मी-नारायण को देख कितने खुश होते हो । जानते हो हम श्रीमत से फिर श्रेष्ठाचारी बन रहे है ।**

A. True
B. False

Q.4) **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही आपस में मिलाएं ---**

	Choice		Match
A	इस समय सभी मनुष्य मात्र यहाँ हैं,	1	अभी है संगम, तुम यहाँ आये हो पारसबुद्धि बनने के लिए ।
B	इस समय है सब पत्थर बुद्धि,सतयुग मे तुम बनते हो पारस बुद्धि,	2	वह है विकर्माजीत संवत । यह है विकर्मी संवत ।
C	अभी तुमको विकर्माजीत बनना है,	3	रात-दिन का फर्क है ।
D	वह है हद के सन्यासी, तुम हो बेहद के सन्यासी ,	4	क्राइस्ट की आत्मा भी कोई न कोई जन्म मे यहाँ है ।
E	लक्ष्मी-नारायण का आज से 5 हजार वर्ष पहले राज्य था,	5	84 जन्म भोगे,अभी तमोप्रधान से बाप द्वारा फिर सतोप्रधान बन रहे है ।

Q.5) **आज धारणा के लिए दिये गए सभी पॉइंट्स चयन करें -------**

A. बाप जो समझाते हैं वह समझकर दूसरों को समझाना है ।
B. एक बाप की ही श्रीमत पर चलना है ।
C. यहाँ रहते वा देखते हुए बुद्धियोग बाप और वर्से मे लगा रहे ।
D. विकर्माजीत बनने के लिए योगबल से विकर्मो पर जीत प्राप्त करनी है ।
E. बाप के वर्से का पूरा अधिकार प्राप्त करने के लिए मातेला बनना है ।

Q.6) **बाप बच्चो को बैठ समझाते हैं । कोई तो अच्छी रीति समझ जाते हैं, कोई समझते ही नही है । जो अच्छी रीति समझते है उनको सगे कहेंगे और जो नही समझते हैं वह लगे अर्थात् सौतेले हुए । बाबा के पास मातेले भी हैं तो सौतेले भी हैं । मातेले बच्चे तो बाप की श्रीमत पर पूरा चलते हैं । सौतेले नहीं चलते । अब सौतेले ----------थोड़े ही बनेंगे ।**
[निम्नलिखित में से सबसे सटीक उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

A. ईश्वरीय -सन्तान
B. वारिस
C. लक्ष्मी-नारायण
D. विश्व-मालिक

Q.7) **तुम कहते हो ना ओम शान्ति अर्थात 'मैं आत्मा तो शान्तिधाम की रहने वाली हूँ, मेरा स्वधर्म है शान्ति' । फिर भी शान्ति मांगते हो क्योंकि अपने को आत्मा भूल देह- अभिमान मे आ जाते हो । यहाँ फिर शान्ति कहाँ से मिलेगी? अशरीरी होने से ही शान्ति होगी । शरीर के साथ आत्मा है, तो उनको बोलना चलना तो जरूर पड़ता है ।**

A. False

B. True

Q.8) **मीठे बच्चे: शान्ति चाहिए तो अशरीरी बनो, इस ----------में आने से ही अशान्ति होती है, इसलिए अपने स्वधर्म में स्थित रहो । (सभी उत्तर कुछ न कुछ ठीक हो सकते हैं परन्तु आज की मुरली के अनुसार एक ही सही विकल्प का चयन करें)**

A. भक्ति

B. देहभान

C. पुरानी -दुनिया

D. शरीर

Q.9) **आज की मुरली में बाबा की यथार्थ याद के विषय में कुछ बातें बतायी गयी हैं, उन सबका चयन करें ---**

A. यथार्थ याद अर्थात अपने को इस देह से न्यारी आत्मा समझकर बाप को याद करना ।

B. यथार्थ याद मे रहने के लिए ज्ञान का नशा चढ़ा हुआ हो ।

C. बुद्धि में रहे बाबा हमे सारे विश्व का मालिक बनाते हैं ।

D. बाबा हमारा आशिक है हम उसके माशूक हैं –सदा यह ख़ुशी रहे ।

E. यथार्थ याद में कोई भी देह याद न आये, यह ध्यान रखना जरूरी है ।

Q.10) **वाक्यों के अर्थ अनुसार ही उनको मिलाएं ---**

	Choice		Match
A	ओम का अर्थ ही है मैं आत्मा,	1	नई दुनिया सतयुग को कहा जाता है ।
B	हम आत्मा हैं, हमारा स्वधर्म शान्त है,	2	हम आत्मा शान्तिधाम की रहने वाली हैं ।
C	अभी तो कलियुग पुरानी दुनिया है,	3	कलियुगी मनुष्य हैं नर्कवासी और तुम हो संगमयुग वासी ।
D	बाप सिर्फ बच्चों से ही बात करते हैं क्योकि,	4	ऐसे नही कहते- आत्मा को शान्ति कैसे हो ।
E	यहाँ सभी दु:खी हैं इसलिए कहते है मन को शान्ति कैसे हो,	5	मनुष्य फिर समझते ओमू माना भगवान ।